

The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

माग—II खण्ड—3 उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)
प्राधिकार से प्रकासित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 366]

नई बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 24, 1979/ग्रप्रहायण 3, 1901

No. 366

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1979/AGRAHAYANA 3, 1901

इस भाग म⁸ भिम्न पृष्ठ संख्या दी बाती हैं जिससे कि यह अज्ञण संक्रजन से रूप म⁸ रखा आ सर्व Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विमाग)

ग्रधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1979

केन्द्रीय जल्पाव-शहक

का॰ का॰ कि॰ 638 (म्र):—केन्द्रीय सरकार, मितिरक्त उत्पाद-मुक्क (विश्रेव महत्व का माल) मिनियम, 1957 (1957 का 58) की घारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क भौर नमक मिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम मनुसूची की मद सं० 19 की उपमद 1(क) के मन्तगंत माने वाले प्रश्नसंस्कृत सूती कपड़ें को, जब उसका प्रयोग उसी कारखाने में, जिसमें उसका उत्पादन किया गया है, उक्त मद 19 की उपमद 1(ख) के मन्तगंत माने वाले प्रसंस्कृत सूती कपड़े के मागे विनिर्माण के लिए किया जाता है, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क और नमक मिनियम, 1944 (1944 का 1) भौर मितिरक्त उत्पाद-शुक्क (विशेष महत्व का माल) मिनियम, 1957 (1957 का 58) के मधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्मूर्ण उत्पाद-शुक्क से छूट देती है।

[290/79-फा॰ सं॰ 357/7/79-टी भार यू]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 24th November, 1979

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 638(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts unprocessed cotton fabrics, falling under sub-item I (a) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), when used within the factory in which they have been produced for further manufacture of processed cotton fabrics, falling under sub-item I (b) of the sald Item No. 19, from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957).

[290/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० कि० 639 (म्र): --- केन्द्रीय सरकार, म्रतिरिक्त उत्पाव-मुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की शारा 3 की उपधारा (3) के साम पित केन्द्रीय उत्पाव-मुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त मित्रीं का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क भीर नमक म्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम मनुसूची की मव सं० 19 की उपमद 1(ख) के मन्तर्गत माने वाले प्रसंस्कृत सूती तान्तव को, जब उसका प्रयोग उसी कारखाने के भीतर, जिक्मों उसका उत्पादन किया गया है, उक्त उपमद 1(ख) के मन्तर्गत को मत्तर, जिक्मों उसका उत्पादन किया गया है, उक्त उपमद 1(ख) के मन्तर्गत माने वाले सूती कपड़े के विनिर्माण के लिए किया जाता है, भीर उस पर कोई मागे प्रत्रिया की जाती है, केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क भौर नमक मिनियम, 1944 (1944 का 1) मौर मितरिक्त उत्पाद-मुल्क (विशेष महत्व का माल) मिनियम, 1957 (1957 का 58) के मुधीन उस पर उद्ध्रहणीय समस्त उत्पाद मुल्क से स्नुट वेती है।

[291/79-फा० सं० 357/7/79-टी मार यू]

G.S.R. 639(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts processed cotton fabrics, falling under sub-item I (b) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), when used within the factory in which they have been produced for the manufacture of cotton fabrics, subjected to any further processing, falling under the said sub-item I (b) from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957).

[291/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० कि० 640 (द्वा) : केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-सुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुन, भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर शीमा विमाग) की ग्रीधसूचना सं० 80/76-केन्द्रीय उत्पाद-सुक्क, तारीख 16 मार्च, 1976 में निम्नलिखित ग्रौर संगोधन करती है, ग्रथांत:—

उक्त प्रधिसूचना में, सारणी के पूर्व, निम्नलिखित परन्तुक ग्रन्त:-स्थापित किया जाएगा, ग्रंथित्:----

"परन्तु यदि,---

- (1) उक्त भव सं० 19 की उपमद १(क) के प्रन्तर्गत ग्राने वाले प्रप्रसंस्कृत सूती ताल्तय पर, जिगपर उत्पाद-शृक्क पूर्णतः या भागतः उवप्रहणीय हैं, उस कारकाने के भीतर, जिसमें उक्त प्रप्रसंस्कृत तान्तव उत्पादित किया गया हैं, उक्त सारणी में विमिविष्ट कोई प्रक्रिया या प्रक्रियाएं की जाती हैं, या
- (2) उक्त मद 19 की उपमद 1 के मन्तर्गत प्राने वाले सूती तान्तव पर उसी कारखाने के भीतर, जिसमें उन पर कोई प्रक्रिया की गई है, सारणी में विनिर्विष्ट प्रक्रियाओं मे भिन्न कोई प्रक्रिया या प्रक्रियाएं की जाती है, तो ऐसी कोई छूट लागू नहीं होती।"

[292/79-फा॰ सं॰ 357/7/79-टी मार यू]

G.S.R. 640(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 80/76-Central Excises, dated the 16th March, 1976, namely:—

In the said notification, before the Table, the following proviso shall be inserted, namely:

"Provided that no such exemption shall apply-

- (i) if unprocessed cotton fabrics falling under sub-item I (a) of the said Item No. 19 on which the duty of excise is leviable either in whole or in part, are subjected to any process or processes specified in the said Table, within the factory in which the said unprocessed fabrics have been produced; or
- (ii) if cotton fabrics falling under sub-item 1 of the said Item No. 19 are subjected to any process or processes specified in the said Table within the same factory in which they have been subjected to any process, other than the processes specified in the Table."

[292/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० वि० 641 (छ):—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्त उत्पाद-सूक्ष्म (विशेष महत्व को मान) प्रधिनियम, 1957 (1957 को 58) की द्यारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठिन केन्द्रीय उत्पाद शूका नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मक्षालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की अधिसूचना स० 122/76 केन्द्रीय उत्पाद-सूक्क, तारीख 16 मार्च, 1976 में निस्मलिखित श्रीर संशोधन करती है, शर्यात्:—

उक्त प्रधिसूचना में, सारणी के पूर्व, निम्मलिखित परन्तुक श्रन्तः स्थापित किया जाएगा, प्रचात् :—

"परन्तु यदि---

- (1) उक्त मद सं० 19 की उपमद 1(क) के झन्तर्यत झाने वालं अप्रसंस्कृत सूती ताल्तव पर, जिम पर उत्पाद श्रुट्क पूर्णतः या भागतः उत्प्रहणीय है, उस कारखाने के भीतर, जिसमे उक्त अप्रसंस्कृत तास्तव उत्पादित किया गया है, उक्त सारणी में विनिविष्ट कोई प्रक्रिया या प्रक्रियां की जाती हैं. या
- (2) उक्त मद 19 की उपमद (1) के कन्तर्गत आने वाले सूती तान्तव पर, उसी कारखान के भीतर, जिसमें उस पर कोई प्रक्रिया की गई है, सारणी में विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं से मिन्न काई प्रक्रिया या प्रक्रियाएं की जाती हैं, तो ऐसी कोई छूट लागू नहीं होगी।"

[293/79 फा॰ सं॰ 357/7/79-टी धार शृ]

G.S.R. 641(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 122/76-Central Excises, dated the 16th March. 1976, namely:—

In the said notification, before the Table, the following proviso shall be inserted, namely.—

"Provided that no such exemption shall apply-

- (i) if unprocessed cotton fabrics falling under sub-item I (a) of the said Item No. 19, on which the duty of excise is leviable either in whole or in part, are subjected to any process or processes specified in the said Table, within the factory in which the said unprocessed fabrics have been produced; or
- (ii) if cotton fabrics falling under sub-item I of the said Item No. 19 are subjected to any process or processes specified in the said Table, within the same factory in which they have been subjected to any process, other than the processes specified in the Table."

[293/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० लि० 642 (प्र):—केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्त उत्पाद शुल्क विशेष महत्य का माल) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) से साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते द्वार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क धौर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम धनुसूची की मद 21 की उपमद (1)(ख) के प्रधीन धाने वाले प्रसंस्कृत ऊनी तलु को, जब उनका उपयोग उसी कारखाने के भीतर, जिसमें उनका उत्पादन हुआ है, उपमद (1)(ख) के प्रधीन धाने वाले किसी धौर प्रसंस्कृत के प्रधीन रहते हुए, उनी कपशों के विनिर्माण में किया जाता है, थेन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) और प्रसिन्ति उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के प्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय समूर्ण उत्पाद शुल्क से छुट देनी है।

[294/79-फा० सं० 357/7/79-**टी ग्रा**र यू]

G.S.R. 642(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts processed woollen fabrics, falling under sub-item (1) (b) of Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), when used within the factory in which they have been produced for the manufacture of woollen fabrics, subjected to any further processing, falling under the said subtem (1)(b), from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957).

(294/79-F. No. 357/7/79-TRU)

सा॰ का॰ वि॰ 643 (म):—केन्द्रीय सरकार, मितिरक्त उत्पाद-शुल्प (विशेष महत्व का माल) ग्रिप्तितियम, 1957 (1957 का 58) की आरा 3 की उपन्नारा (3) के माथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) ग्रारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रिम्नियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुमुखी की मद 21 की उपमद (1) के भ्रम्यीन भाने वाले करी काई की, जब मादे बेलनों से उन पर कलेन्द्रर प्रक्रिया की जाती है, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक ग्रिप्तियम, 1944 (1944 का 1) और श्रांतिरक्त उत्पाद शुल्क और नमक ग्रीप्तियम, 1944 (1944 का 1) और श्रांतिरक्त उत्पाद शुल्क (विशेष महत्व का माल) मिन्नियम, 1957 (1957 का 58) के ग्रांचीन उन पर उद्युग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क से छट देती है;

परल् गह धूट उस वशा में लायू नहीं होगी जब उक्त उपमद (1) के श्रधीन श्राने वाले उन्नी कपहें पर उसी कारखाने के भीतर, जिसमें उस पर कोई प्रत्य प्रक्रिया की गई है, सादे बेलनों से कलेण्डर प्रक्रिया की जाती है।

[295/59-फा॰स॰ 357/7/79-दी॰मार॰म्॰]

G.S.R. 643(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts woollen fabrics falling under sub-item (1) of Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944), when subjected to the process of calendering with plain rollers, from the whole of the duty of excise leviable thereon both under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957);

Provided that no such exemption shall apply if woollen fabrics falling under the said sub-item (1) are subjected to the process of calendering with plain rollers within the same factory in which they have been subjected to any other process

[295/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० मि० 644 (क):— केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्त उत्पाद मुस्क (विशेष महत्य का माल) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद मुस्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त मिक्सीं का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय उत्पाद मुस्क भीर नमक प्रधिनियम, 1914 (1944 का 1) की प्रथम धनुसूची की मद सं० 22 की उपमद (1)(ख) के प्रधीन श्राने वाले प्रसंस्कृत कृत्रिम सान्तव की, जब उनका उपयोग उसी कारखाने के भीतर जिसमें उनका उत्पादन हुआ है, उपमद (1)(ख) के भ्रधीन श्राने वाले ऐसे कृत्रिम कपड़े के विनिर्माण में किया जाता है, जिस पर कोई अन्य प्रतिया की गई है, अतिरिक्त उत्पाद मुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के प्रधीन उद्यहणीय सस्पूर्ण प्रतिरिक्त उत्पाद मुल्क से सूट देती है।

[मं॰ 296/79-फा॰ मं॰ 357/7/79-टी भार गू]

G.S.R. 644(E).—In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) the Central Government hereby exempts processed man-made fabrics, falling under sub-item (1) (b) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), when used within the factory in which they have been produced for the manufacture of man-made fabrics, subjected to any further processing, falling under the said sub-item (1) (b), from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957).

[296/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० नि० 645 (म्र):—केन्द्रीय सरकार, म्रतिरिक्त उत्पाद सुत्क (विशेष महत्व का माल) भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुक्क भीर नमक भ्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम भ्रनुसूची की मद मं० 22 की उपमद (1) के भ्रन्तर्गत भाने वाले कृतिम तान्तव को, जब उस पर, इसके साथ उपादद सारणी में विनिर्दिष्ट परिसाधन प्रक्रियाएं की जाती हैं, म्रतिरिक्त उत्पाद शुक्क (विशेष महत्व का माल) म्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) के भ्रधीन उस पर उर्ग्यहणीय सम्पूर्ण उत्पाद शुक्क से छूट देती हैं:

परन्तु यदि उक्त उपमद (1) के प्रधीन भाने वाले कृतिम सान्तव पर, उसी कारखान में, जिसमें उन पर सारणी में विनिदिष्ट प्रक्रियाओं में निन्न कोई प्रक्रिया की गई है, उक्त सारणी में विनिदिष्ट कोई प्रक्रिया या प्रक्रियाए की जानी हैं सी ऐसी कोई भूट लागू नहीं होगी।

सारागी

क्रम सं० विवरण

स्पाट बेलनों से कलेन्डर करना ;

- श्रुलसाना, ग्रथीत्, तान्तव की गांठों ग्रीर छितरे सिरों को जलाना :
- 3. पैडिंग, श्रर्थात् तान्तव के एक या दोनों भ्रोर प्राकृतिक संद लगाना .
- 4. पृष्ठ भरण, ग्रथीत् तान्तव के एक भ्रोर मंड लगाना:
- ममाकर्तन, ग्रंथीन नान्तव के छित्ररे सिरों का यंत्र द्वारा कर्तने
- जल निक्क्ष्यंग, प्रथीन्, नान्तव से अन का यत्न द्वारा निष्क्ष्यंग वा यंत्र क्षारा निष्कोड़ा जाना

[297/79-फा॰ मं॰ 357/7/79-दी मार प्}

G.S.R. 645 (E). In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Contral Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act. 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts man-made fabrics, falling under sub-item (1) of Item No. 22 of the First Schodule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), when subjected to the finishing processes specified in the Table hereto annexed from the whole of the additional duty of excise leviable thereon under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) :

Provided that no such exemption shall apply if man-made fabrics, falling under the said sub-item (1) are subjected to any process or processes specified in the said Table, within the same factory in which they have been subjected to any process, other than the processos specified in the Table.

THE TABLE

S. No. Description 1. Calendering with plain rollers;

- 2. Singeing, that is to say, burning away of knots and loose onds in the fabric;
- 3. Padding, that is to say, application of natural starch to one or both sides of the fabric;
- 4. Back-filling, that is to say, application of starch to one side of the fabric; and
- 5. Cropping, that is to say, cutting away mechanically of loose ends from the fabric; and
- 6. Hydro-extraction, that is to say, mechanically extracting or mechanically squeezing out water from the fabric.

[297/79-F. No. 357/7/79-TRU]

सा० का० वि० ६४६ (घ) :---केन्द्रीय सरकार, प्रतिरिक्त उत्पाद्ंशुरू (विमोच महत्व का माल) श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साम पठित, केन्द्रीय उल्लाब् मुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश करती है कि इससे उपागद सारणी के स्सम्भ (2) में विनिदिष्ट भारत सरकार के वित्त मंद्रालय के, यथास्थिति, राजस्व भौर बीमा बभाग या राजस्व भौर बैंकिंग विभाग की प्रत्येक मधिसचना को, उक्त सारणी के स्तंभ (3) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्विष्ट रीति से, यथास्थिति, संशोधित या पूनः संशोधित किया जाएगा ।

सारणी

कम भ्रष्टिसूचना सं० भीर तारीख सं०	संशोधन
1 2	3
 179/72—केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क, तारीख 24 जुलाई, 1972 	उक्त प्रक्षिसूचना में,—— (क) परन्तुक के खण्ड (i) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, प्रयात्:—— "(i) शक्ति या वाष्य की सहायता के बिना प्रचालिस मशीनों की सहायता से प्रसंस्क्रस

क्रुव्रिम संतुष्टीं पर संदेय शल्क में चालीस प्रतिशत की कमी कर दी आएगी;"

- (ख) स्पष्टीकरण के स्वच्ट निम्नलि**श**ित स्थान पर. खण्ड रखा जाएगा, श्रद्धाः :---
- '(i) "प्रमस्कृत" सं कोई प्रक्रिया अभिप्रेत है, जिसका संचालन साधारणतथा ऐसी मशीनो की सहायता से किया जाता है, जो चाहे शक्ति या वाष्प की सहायता से प्रचालित होती हैं प्रचवा उसके: बिनाः':
- 61/73-केन्द्रीय उत्पाद-शस्क, तारीख 1 मार्च, 1973
- उक्त प्रधिसचना में, स्पष्टीकरण के खाण्ड (i) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा. मर्थातः--
- '(i) "प्रसंसकृत" से कोई प्रक्रिया धर्मिप्रेस है, जिसका संचालन साधारणतया ऐसी मशीनों की सहायता से किया जाता है, जो चाहे शक्तिया वाष्य की सहायता से प्रचालित होती हैं घयना उसके बिना;';
- 3. 274/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क, तारीख 13 नवम्बर, 1976 भीर 275/76-केन्द्रीय उत्पाद-शलक, तारीख 13 नवम्बर, 1976
- प्रत्येक ग्राधिसूचना में, स्पष्टीकरण के खण्ड (iii) के स्वान पर, निम्नलिखित खण्ड रका जाएगा, मर्यात् :---
- '(iii) "प्रसंस्कृत" से, ऐसी सभी प्रक्रियाएं मिभनेत हैं, साधारणतया शक्ति या वाष्प की सहायता से की जाती 夏 1"

[298/79-फा॰ सं॰ 357/7/79-टी भार यू] टी० प्रार० रस्तगी, प्रवर सचिव

G.S.R. 646 (E).-In exercise of the powers conferred by subrule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1958), the Central Government hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Insurance or the Department of Revenue and Banking, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

	TABLE	1 2	3	
S. Notification No. No. and date	Amendment	2. 61/73-Central Excises, dated	In the said notification for clause (i) of the Explanation, the following clause shall be substituted, namely:— '(i) "processed" means any process which is ordinarily conducted with the aid of machines whether operated with or without the aid of power or steam;';	
1 2 1. 179/72-Contral	In the said notification,—	1st March, 1973.		
Excises, dated 24th July, 1972	(a) for clause (i) of the proviso, the following clause shall be substituted, namely:— "(i) the duty payable on manmade fabrics processed with the	.#		
	aid of machines operated without the aid of power or steam shall be reduced by forty per cent;	3. 274/76-Central Excises, dated 13th November, 1976 and 275/76-Central Excises, dated 13th November, 1976.	In each of the notifications, for clause (iii) of the Explanation the following clause shall be subs	
	(b) for clause (i) of the Explanation, the following clause shall be substi- tuted, namely :—		tituted, namely :— '(iii) "processed" means all processes which are ordinarily carrie	
	'(i) "processed" means any pro- ce ss which is ordinarily conducted with the aid of machines, whether operated with or without the aid of power or steam;		on with the aid of power or steam.	
			[298/79-F. No. 357/7/79-TRU]	
		•	T.R. RUSTAGI, Under Secy.	

			. ' '	